दादी माँ

(Model Question Paper)

प्रश्न-1 दादी माँ पाठ की विधा और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर- दादी माँ पाठ की विधा - कहानी है और लेखक शिवप्रसाद सिंह हैं।

प्रश्न-2 गाँव के लड़के झागभरे जलाशयों में किस महीने में खेलतें हैं?

उत्तर- गाँव के लड़के झागभरे जलाशयों में क्वार के महीने में खेलतें हैं।

प्रश्न-3 दादी माँ ज्वर का अनुमान कैसे लगाती थीं?

उत्तर - दादी माँ छू-छूकर ज्वर का अनुमान लगाती थीं।

प्रश्न-4 दादी माँ कौन से जल से नहाकर आई थीं?

उत्तर - दादी माँ जलाशय के झागभरे जल से नहाकर आई थीं।

प्रश्न-5 दादी माँ बीमार लेखक के लिए क्या ले कर आई थीं?

उत्तर - दादी माँ बीमार लेखक के लिए अदृश्य शक्तिधारी के चबूतरे की मिट्टी लाई थीं।

प्रश्न-6 बरबस लेखक की आँखों के सामने किसी की धुँधली छाया नाच उठती है?

उत्तर - बरबस लेखक की आँखों के सामने दादी माँ की धुँधली छाया नाच उठती है।

प्रश्न-7 'लड़के बरह्मा का रूप होते हैं।' दादी माँ के इस कथन का क्या तात्पर्य है?

उत्तर - लड़के बरह्मा का रूप होते हैं। इस कथन का तात्पर्य है कि वह अबोध होते हैं और उनका मन साफ़ होता है।

प्रश्न-8 लेखक के मित्र उसका मज़ाक क्यों उड़ाते थे?

उत्तर - लेखक के मित्र उसका मज़ाक इसलिए उड़ाते थे क्योंकि ज़रा -सी कठिनाई पड़ते ही लेखक को गाँव, घर और परिवार की याद आने लगती थी।

प्रश्न-9 लेखक झागभरे जलाशयों में खेलने का अधिक मज़ा क्यों नहीं ले पाया?

उत्तर - लेखक झागभरे जलाशयों में खेलने का अधिक मज़ा बीमार हो जाने के कारण नहीं ले पाया।

प्रश्न-10 लेखक के मित्र लेखक को क्या कह कर उसका मज़ाक उड़ाते थे?

उत्तर - लेखक के मित्र लेखक को कमज़ोर और ज़रा-सी प्रतिकूलता से घबरानेवाला कहकर उसका मज़ाक उड़ाते थे।

प्रश्न-11 लेखक को हलकी बीमारी क्यों अच्छी लगती थी?

उत्तर - लेखक को हलकी बीमारी इसलिए अच्छी लगती थी क्योंकि खाने के लिए दिनभर नींबू और साबू मिलता था।

प्रश्न-12 दादी माँ के लिए दादा जी द्वारा दिए कंगन का क्या महत्व था?

उत्तर - दादी माँ को वह कंगन दादा जी ने पहनाए थे और उनकी भावनाएँ उस कंगन से जुडी हुई थी।